पंजाबी कविता

राजविंदर मीर की सात कविताएँ

दखलअंदाज़ी

यह हमारी दख़लअंदाज़ी है
रंगों में दख़लअंदाज़ी है
कविता में दख़लअंदाज़ी है
हर दिन में दख़लअंदाज़ी है
हर दिशा में दख़लंदाज़ी है
जनम ले रहे मनुष्य के
इस मयार में दख़लअंदाज़ी है
दख़लअंदाजी करने के
अधिकार में दख़लअंदाज़ी है।

चौपट राजा

चौपट राजे के फ़रमान सुनकर
मैं बुरी तरह डर जाता हूँ।
अंधेर नगरी के किसी कोने में
छुप जाता हूँ।
अंधेरा कोना
बताता है कई राज़
कि बूढ़ा राजा मरने वाला है
और बेशरमी की हद करने वाला है।
अंधेर नगरी में
जब करता है कोई संवाद
चौपट राजा बुरी तरह डर जाता है
और यूनियन के दफ़्तर आगे
बीट कर जाता है।

कविता नहीं

कोई कविता नहीं
ख़याल थक जाते हैं
प्रूफ देखने.....
बंडल बाँधने में.....
अख़बारों को उनकी राहों में भेजना है
बहुत काम करना है
भट्ठा बस्ती के कोने में बनी
उस झोपड़ी में जाने से पहले
कविताओं वाली डायरी
साथ ले ली है।

मेरा काम

मेरी कविता ने
याद दिलाया मुझे मेरा काम
याद दिलाया जब शाम
आँखों में उतर रही थी
जब सुबह अंधी होने को थी
याद दिलाया मुझे मेरा काम
कि मैंने काम करना है
काम करना है
बीमार गलियों में
रोगी फैक्ट्रियों में
काम करना है
मोम के पंखों वाले
नौजवानों के बीच
कि मैंने
काम करना है।

आदर्शवादी कविता

आज भी वह
काफ़ी कुछ बनाता रहा
और बचाता रहा
उसने सँभाल ली
बाप की आँखों में थी जो चमक
और पंद्रह साल के
रिक्शे वाले के शब्द
''हमारे कुछ सिद्धान्त हैं साहिब''
आज भी वह आदर्शवादी लड़का

अपने आदर्श निभाता रहा
और दिन भर की कमाई के तौर पर
देखता रहा
कि दोनों हाथों में
ज़िन्दगी के
सिरे पकड़े हुए है।

एक कदम

मैं एक कदम हूँ
पीछे की ओर से आगे उठाया गया
और अगले के लिए
एक कड़ी बनता
एक नौजवान कदम
अपने हिस्से का रास्ता तय करता है
हँसता हुआ
समय की हथेली में उतर जाता है
आकाश में एक तारा
और जुड़ जाता है।

डायरी

इतिहास के इस अंधेरे-गुबार में
हमें डायरी लिखने की
आदत डाल लेनी चाहिए
वैसे भी डायरी लिखते हुए
ज़िन्दगी में सरगर्मी महसूस होती है
या सरगर्म होते हुए ही डायरी लिखी जा सकती है
कभी तो घटनाओं की तेज रफ़्तार के साथ
कदम मिलाने की कोशिश करें
कभी-कभी घटनाएँ घटने की सुस्ती पर
खीझ जाना चाहिए
शब्दों और संकल्पों को
फट जाने से बचा लेने की ज़िम्मेदारी
बिना किसी बहाने के
कबूल लेनी चाहिए
इन संकल्पों के पीछे
एक पूरी दुनिया आबाद है
जिसने खूबसूरत हो जाने की
उम्मीद नहीं छोड़ी
जैसे यह शब्द हैं
आज़ादी, कम्युनिस्ट, समाजवाद,
फूल, प्यार, उम्मीद
और वे तमाम शब्द
जिन्हें सुनकर खूबसूरती याद आती है
सो हम कह सकते हैं
कि हमें
खूबसूरत दुनिया की उम्मीद को
कायम रखने की ज़िम्मेदारी
कुबूल लेनी चाहिए
इतिहास के इस धुँधले भाग में
बहुत स्पष्ट चीज़ों की ज़रूरत पड़ेगी
जैसे संकीर्णता और प्रतिबद्धता के बीच
एक स्पष्ट लकीर
इन मौसमों की ठंडी शहीदी
या झटपट गुमनाम मौत
रात भर पिघलते रहना
या सदी जितना बड़ा कोई फैसला
और लड़ाई का स्पष्ट पक्ष
डायरी लिखने को
शौकिया नहीं लेना चाहिए
जैसे कविता
शौक के लिए नहीं लिखी जा सकती
हमारे पूर्वजों के
डायरी ना लिखने का जवाब
इतिहास आज हमसे माँगता है
हम नहीं चाहेंगे
कि यह धुंध-गुबार
जालिम और खूनी बनकर
कल हमारी बच्चियों से हिसाब माँगे
(क्योंकि इतिहास के उस दौर का
एक चेहरा बलात्कारी होता है)
इस दौर के चेहरे से नक़ाब खींचकर
इस का हर ब्योरा
डायरी में दर्ज कर लेना चाहिए
या किसी इश्तिहार के रूप में छाप कर
बाँट देना चाहिए।

गाँव-पोस्टः कोट लल्लू
मानसा-151505, पंजाब